पांच दिवसीय बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला रिपोर्ट: डायट पौड़ी गढ़वाल

1. कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय (Workshop Overview)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), पौड़ी गढ़वाल द्वारा वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2025-26 के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षकों हेतु पांच दिवसीय बेसिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का विवरण निम्नवत है:

विवरण	जानकारी
आयोजक (Organizer)	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), पौड़ी गढ़वाल
प्रशिक्षण की अवधि (Duration)	17 सितम्बर से 21 सितम्बर, 2025 तक
प्रतिभागी (Participants)	26 प्राथमिक शिक्षक।
समन्वयक (Coordinator)	श्रीमती शालिनी भट्ट
सह - समन्वयक(Co-Coordinator)	डॉ. शिव कुमार भारद्वाज

2. प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य (Core Objectives)

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के तकनीकी कौशल को उन्नत कर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को आधुनिक बनाना था:

- प्राथमिक शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों जैसे टैबलेट और कंप्यूटर के प्रभावी उपयोग में दक्ष बनाना।
- Google आधारित टूल्स को शिक्षण शास्त्र (Pedagogy) के साथ एकीकृत करने हेतु सक्षम करना।
- डिजिटल साक्षरता के माध्यम से शिक्षकों के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित बनाना।

3. दैनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण (Day-wise Activity Report)

प्रथम दिवस (Day 1): कार्यशाला का शुभारंभ परिचय सत्र के साथ हुआ। श्रीमती शालिनी भट्ट द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई । प्रथम तकनीकी सत्र में HNBGU के संदर्भ दाता श्री आशीष सेमवाल ने "IT Fundamentals" की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने Gmail अकाउंट निर्माण, सुरक्षित पासवर्ड प्रबंधन, Operating System, Hardware, Software तथा Input और Output डिवाइसेज की कार्यप्रणाली समझाई। तकनीकी सत्र में विशेष रूप से Primary and Secondary Memory की संरचना पर प्रकाश डाला गया। अपराह्न सत्र में श्रीमती शालिनी भट्ट द्वारा Google Forms की उपयोगिता बताई गई। कंप्यूटर प्रशिक्षु कनिष्ठ सहायक साक्षी नेगी द्वारा Google Forms के विभिन्न टूल्स और रेपोर्ट्स के बारे में बताया गया । अंत में डॉ. शिव कुमार भारद्वाज ने PARAKH (NAS) के तीनों स्तरों—Foundational (बुनियादी), Preparatory (प्रारंभिक) और Middle (मध्य) के साथ-साथ उल्लास (ULLAS) कार्यक्रम के तहत 15 वर्ष से अधिक आयु के निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर करने के लक्ष्यों पर चर्चा की।

द्वितीय दिवस (Day 2): दूसरे दिन का सत्र पूर्णतः Google Forms के व्यावहारिक अभ्यास पर केंद्रित रहा। श्रीमती शालिनी भट्ट और कंप्यूटर प्रशिक्षु कनिष्ठ सहायक कनक कलेठा ने शिक्षकों को Adding Questions, Selecting Answer Types, Required Question Settings और Theme Selection जैसे विकल्पों का

प्रशिक्षण दिया। शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए स्वयं क्विज़ और सर्वेक्षण फॉर्म तैयार किए और उनके लिंक प्रशिक्षण समूह (Group) में साझा किए।

तृतीय दिवस (Day 3): इस दिवस का मुख्य केंद्र डिजिटल दस्तावेज़ीकरण रहा। HNBGU श्रीनगर के विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में शिक्षकों ने Google Docs और Google Slides का गहन अभ्यास किया। इसमें Page Setup, Alignment, Font Selection और Tables निर्माण के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी में बहुभाषी टाइपिंग का अभ्यास कराया गया। अपराह्न सत्र में ChatGPT, Google Chrome और Google Lens जैसे आधुनिक टूल्स के शैक्षणिक महत्व और उनके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई।

चतुर्थ दिवस (Day 4): HNBGU के डॉ. वरुण बड़थ्वाल और डॉ. कुलदीप सिंह ने शैक्षणिक सामग्री को आकर्षक बनाने हेतु Microsoft PowerPoint और Canva के उपयोग पर सत्र लिया। उन्होंने Canva के माध्यम से रोचक पोस्टर, प्रेजेंटेशन और दृश्य सामग्री (Visual Content) तैयार करने की सरल कार्यविधि (Methodology) सिखाई। डायट

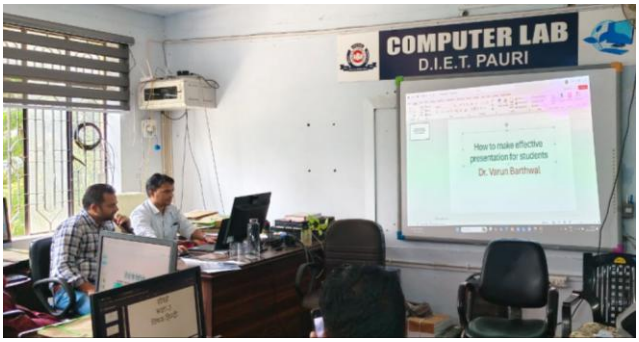

के कंप्यूटर प्रशिक्षु कनिष्ठ सहायकों ने शिक्षकों को कंप्यूटर पर इन टूल्स का व्यावहारिक अनुप्रयोग करने में तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

पंचम दिवस (Day 5): अंतिम दिन डेटा प्रबंधन (Data Management) हेतु Google Sheets पर केंद्रित रहा। श्रीमती शालिनी भट्ट एवं कंप्यूटर प्रशिक्षु साक्षी नेगी ने शिक्षकों को मोबाइल फोन के माध्यम से ही छात्र Marksheets तैयार करना सिखाया। शिक्षकों ने शैक्षणिक अभिलेखों (Academic Records) के रखरखाव के लिए विभिन्न Formulas और Data Entry की बारीकियों को सफलतापूर्वक आत्मसात किया।

4. व्यावहारिक अभ्यास एवं रचनात्मक शिक्षण (Hands-on Practice & Creative Learning)

संपूर्ण कार्यशाला के दौरान 'Hands-on Practice' पद्धति को प्राथमिकता दी गई, जिससे शिक्षकों का आत्मविश्वास बढ़ा। प्रत्येक सत्र में शिक्षकों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया। शिक्षकों ने सीखा कि कैसे Google Forms और Google Sheets जैसे टूल्स का उपयोग प्रशासनिक कार्यों, जैसे उपस्थिति रिकॉर्ड और शैक्षणिक मूल्यांकन, को डिजिटल रूप देने में किया जा सकता है।

5. निष्कर्ष (Conclusion)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पौड़ी गढ़वाल द्वारा वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2025-26 के अंतर्गत आयोजित यह कार्यशाला अत्यंत सफल रही। यह प्रशिक्षण न केवल शिक्षकों के व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उन्हें विद्यालयों में आधुनिक शिक्षण विधियों को लागू करने और डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए भी सशक्त बनाता है। प्राप्त तकनीकी ज्ञान से शिक्षक भविष्य में शैक्षणिक अभिलेखों का प्रबंधन और शिक्षण सामग्री का निर्माण अधिक कुशलता से कर सकेंगे।

शालिनी भट्ट
प्रवक्ता, शैक्षिक तकनीकी विभाग
डायट पौड़ी